



साक्षर भारत
SAAKSHAR BHARAT

DAE Newsletter

प्रौढ शिक्षा निदेशालय सूचनापत्र

In this issue

- जिला कारागार, फिरोजाबाद में साक्षरता प्रमाण-पत्र वितरण
- राजस्थान में नवसाक्षर मूल्यांकन परीक्षा 2018
- हिंदी कार्यशाला का आयोजन
- Meeting on Financial Issues of Saakshar Bharat Programme
- 'Kaushal Se Kamai' a Vocational linked Basic Primer
- Meeting on Mandate of DAE
- Moving Towards Digital World : An initiative
- Same Language Subtitling: Enhancing Reading Skills
- Special Literacy drive launched by Telangana

Editor : Dr. Ramakrishna Sura
Associate Editor: Dr. Shubhankar Mishra
Jagat Singh
Assistance: R.K. Bengalia, Rajni
Sushil Kumar Sharma
Saurabh Yadav
Suneeta Singh Chauhan

The views expressed in the contents are of the institutions/authors and not of the Directorate of Adult Education, Department of School Education and Literacy, Ministry of Human Resources Development, Government of India.

From the Desk

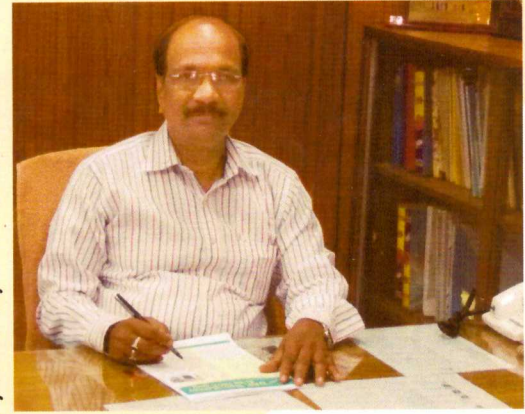
Eradication of illiteracy is one of the national priorities of Government since independence. Efforts made to achieve the national literacy goals, resulted an impressive improvement of literacy rates in the country in past decades. Yet, a substantive number of illiterate population remains to be covered. In this fight against illiteracy, Directorate of Adult Education has been playing its role of providing academic and technical resource support to the adult education programmes. This Directorate prepares model primers and ensures uniform standard and quality of primers produced by the resource centres for different SLMAs in local languages and dialects. All along, DAE has also encouraged and supported development of special primers for learners of different occupational groups.

Directorate has been focusing on use of digital media in addition to organising outdoor media campaign like Saakshar Bharat Yatra and Bus Panels to propagate the literacy messages to the unreached groups and public in general. National Level Learners Assessment Tests through NIOS are being conducted bi-annually by it. This Directorate has been playing an important role in organising seminars & workshops; commissioning evaluation & research studies; and bringing out special publications. It is also responsible for monitoring the programmes and providing feedback to National Literacy Mission Authority.

Recently, it has extended its support to National Skill Development Corporation as well. The State Literacy Mission Authorities, NIOS, Resource Centres & Jan Shikshan Sansthan have always remained the trusted partners of DAE. I thank to all our partners for their continuous support to DAE.

This issue of DAE Newsletter gives a brief account of efforts of different stakeholders at national, state and district level in achieving the goal of literacy.

I hope that our sincere efforts will definitely make new paths for the future generation in making India fully literate.



Dr. Ramakrishna Sura
Director

जिला कारागार, फिरोजाबाद में साक्षरता प्रमाण-पत्र वितरण

जिला कारागार, फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश में साक्षरता प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 15.03.2018 को किया गया। जून, 2017 में आयोजित साक्षरता परीक्षा में इस कारागार के कुल 285 बंदी सम्मिलित हुए थे, जिनमें 21 महिला बंदी भी थीं। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान से सभी बंदियों को प्रमाण-पत्र



प्राप्त हो गये थे। बंदी कैदियों को सम्मानित करने के लिए जिला कारागार में साक्षरता प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जी. पटनायक, अध्यक्ष इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ ने की। इस समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. रामकृष्ण सूरा, निदेशक, प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली थे। श्री संजीव त्रिपाठी, डी.आई.जी., जेल आगरा रेंज, आगरा, विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। आयोजन के अध्यक्ष, श्री पटनायक द्वारा निरक्षर बंदियों को साक्षरता का महत्व बताते हुए उन्हें जेल में रहकर साक्षर होने तथा अच्छा इंसान बनकर बाहर निकलने के लिये प्रेरित किया। मुख्य अतिथि डॉ. रामकृष्ण सूरा द्वारा बंदियों को इस बात के लिये प्रेरित किया गया कि वे कारागार में रहकर अपने समय का सदुपयोग कर साक्षर व शिक्षित बनें। शिक्षित होने पर ही विचारों व व्यवहार में परिवर्तन आता है। तभी वह समाज की मुख्यधारा में मिल पाएंगे। श्री त्रिपाठी,

डी. आई. जी. ने बंदियों को बताया कि वे जेल में रहते हुए स्वयं को इतना बदल लें कि रिहा होने के बाद फिर ऐसा कोई गलत काम न करें, जिसके कारण उन्हें पुनः जेल में आना पड़े। श्रीमती ऋतु गोयल, डी. आई. ओ. एस., डॉ. सच्चिदानन्द यादव, बी.एस.ए., श्री धर्मेन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ, जिला कार्यक्रम अधिकारी, श्री हरिहर नाथ वर्मा, नेहरू युवा केन्द्र के युवा समन्वयक द्वारा कारागार में चल रहे साक्षरता कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। जेल अधीक्षक श्री मो. अकरम खान द्वारा बताया गया कि कारागार में निरक्षर बंदियों को साक्षर तथा शिक्षित बनाने की एक मुहिम उनके द्वारा चलायी जा रही है। आगामी माह में जेल में 'इग्नू' स्टडी सेंटर भी स्थापित होने जा रहा है। इस अवसर पर अपराध निरोधक समिति उ.प्र. कैम्प कार्यालय आगरा के श्री उमेश शर्मा द्वारा अतिथियों तथा कारागार के अधिकारियों को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। साक्षरता में उत्तम प्रदर्शन करने वाले बंदी जगदीश,

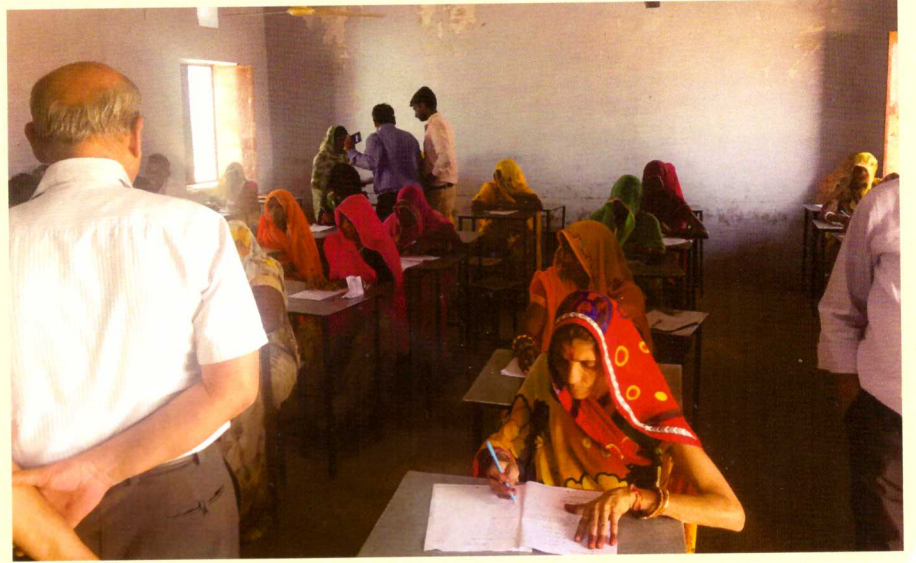
जाहिद, राशिद, उपेन्द्र तथा महिला बंदी श्रीमती गीता को प्रमाण-पत्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। निरक्षर बंदियों को साक्षर बनाने में उत्कृष्ट कार्य कर रहे बंदी शिक्षक सुधीर तथा पूरन चन्द्र को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 'हम' नामक सामाजिक संस्था के संचालक श्री विक्रम शुक्ला भी उपस्थित थे। 'हम' संस्था के सक्रिय सदस्य श्री सुशील द्वारा कार्यक्रम का कुशल संचालन किया गया। श्री पी. के. त्रिपाठी, जेलर द्वारा सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर श्री एस. पी. मिश्रा, जेलर, उप-जेलर, श्री विजय पाण्डेय, श्री शैलेश कुमार सिंह, श्री श्रीचन्द्र शर्मा, श्री रविन्द्र प्रजापति, श्री मोतीराम तथा श्री बृजेश चाहर, जेल वार्डन और श्री सतनरायन राजमल, समाजसेवी अधिवक्ता आदि उपस्थित रहे।

साभार : जेल अधीक्षक, जिला कारागार
फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश

राजस्थान में नवसाक्षर मूल्यांकन परीक्षा 2018

भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे साक्षर भारत अभियान के अंतर्गत राजस्थान में जयपुर के विभिन्न उपखण्डों में जिला साक्षरता कार्यक्रम एवं सतत शिक्षा कार्यक्रम के तहत दिनांक 25 मार्च, 2018 रविवार को नवसाक्षर मूल्यांकन परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। अधिकांशतः परीक्षा केन्द्र गांव के राजकीय विद्यालयों तथा लोक शिक्षा केन्द्रों में थे। इस कार्य में राज्य के स्वयंसेवी शिक्षकों एवं पंचायत सहायकों का विशेष योगदान रहा।

इस व्यापक स्तर की परीक्षा के आयोजन में अन्य सभी अधिकारियों के साथ-साथ जिला साक्षरता अधिकारी श्रीमती अंजू रावत, ब्लाक समन्वयक श्री मदन मोहन शर्मा तथा साक्षरता एवं सतत शिक्षा से श्रीमती रजनी का विशेष योगदान रहा। उक्त टीम के साथ प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय के सहायक निदेशक श्री जगत सिंह द्वारा जयपुर जिले के बस्सी उपखण्ड क्षेत्र के गांव हीरावाला, रघुनाथपुर, रामसर पालावाल, जयपुर बंदीघर तथा बैनाड़ा परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया। उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर इस उपखण्ड में 39 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे, जिन पर 2045 नवसाक्षर बुनियादी परीक्षा में सम्मिलित हुए। इस



बुनियादी परीक्षा में गांव की नवसाक्षर महिलाओं और पुरुषों के साथ बीच में पढ़ाई छोड़ चुकी महिलाओं और पुरुषों ने भी पूरे उत्साह से भाग लिया।

निरीक्षित केन्द्रों पर नवसाक्षर मूल्यांकन परीक्षा शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। वास्तव में नवसाक्षरों की उपस्थिति उत्साहवर्धक रही, जो निर्धारित लक्ष्य को पाने में सफल रहेगी। भारत सरकार के इन प्रयत्नों से आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि नवसाक्षर औपचारिक शिक्षा से जुड़ सकेंगे और आगे की अपनी पढ़ाई जारी कर अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सफल रहेंगे।

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 14 मार्च, 2018 को प्रातः 11.30 बजे प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय के सम्मेलन कक्ष में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला प्रातः 11.30 बजे से दोपहर 1.00 तथा 2.00 से 3.00 बजे तक आयोजित की गई। कार्यशाला में श्री प्रेमसिंह, पूर्व संयुक्त निदेशक (रा.भा.) को व्याख्यान के लिए अतिथि प्रवक्ता के रूप में

आमंत्रित किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग तथा उसके प्रचार-प्रसार में आ रही कठिनाइयों को दूर करना था। इसके लिए आमंत्रित वक्ता महोदय ने कार्यशाला में पारिभाषिक शब्दावली के समुचित प्रयोग पर बल देते हुए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को रोचक तरीके से बताया।

इस कार्यशाला में निदेशालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।



Meeting on Financial Issues of Saakshar Bharat Programme

A meeting was held on January 2, 2018 in Conference Hall of Directorate of Adult Education, New Delhi to discuss the issues pertaining to release of further instalment of grant-in-aid for implementation of Saakshar Bharat Programme. The agenda of the meeting was to discuss the state-wise demand of the funds for the financial year 2017-18 under Saakshar Bharat Programme and status of submission of Utilization Certificates (UCs) of previous years upto 2016-17 along with audited statement of income expenditure, receipt & payment, balance-sheet etc of respective years. Status of submission of provisional UC for the year 2017-18 (up to 31.12.2017) was also discussed during the meeting. Senior programme officers and accounts officers from States of Andhra Pradesh, Arunachal Pradesh, Assam, Bihar, Chhattisgarh, Gujarat, Haryana, Himachal Pradesh, Jharkhand, Jammu & Kashmir, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra, Manipur, Meghalaya, Nagaland, Odisha, Rajasthan, Sikkim, Tamil Nadu, Telangana, Uttarakhand, Uttar Pradesh and West Bengal participated in the meeting.

Shri Juglal Singh, Deputy Secretary NLM III & IV welcomed all the participants and briefed about the agenda of the meeting in detail. He informed that the Saakshar Bharat programme was approved upto 31st December 2017 and a further extension of three months is under consideration. He further stated that, there are still a substantial number of non-literates in the country and we at NLMA are in the process of designing a new programme for covering remaining non literates and after obtaining necessary approvals for the scheme, appropriate communications will be sent to respective State Literacy Mission Authorities. Shri Juglal Singh also informed that currently NLMA can release approx Rs. 160 crore for the Saakshar Bharat Programme to States during the current financial year, and the States who wish to receive the further grants, should fulfil the prerequisites set by IFD.

Dr. Nasim Ahmed, Deputy Education Advisor AE-II & NLM-I gave a presentation in which he presented a comprehensive state wise status of primary requirements for further release of grants, which are i) complete release of

corresponding state share to SLMAs by State Government, ii) submission of utilization certificate upto year 2016-17 along with audited statements of accounts, including statements of Income-Expenditure, Receipt-Payment and Balance Sheet, iii) Submission of provisional Utilization Certificate upto December 2017. He further shared the State wise status of payments of Honorarium to Preraks, Status of bank interest earned so far and unspent balance available with the States especially under CE-recurring component.

After discussing state wise details he requested all the SLMA representatives to fulfill the prerequisites required for release of further grant to States on top priority as the funds available with NLMA are limited and will be released on first come first serve basis.

Dr. Nasim Ahmad also presented the State wise status of payment of honorarium to Preraks, Bank interest earned so far and unspent balance available with SLMAs with special focus on unspent balance available under CE-Recurring component. He reiterated that those SLMAs who have unspent balance available under CE-Recurring component and has also not paid the honorarium to Preraks, they should make the payment as soon as possible. While presenting the status of unspent balance, Dr. Nasim Ahmed observed that many states have excess expenditure under CE-recurring component to which SLMAs has replied that they have spent the excess amount from bank interest available with them.

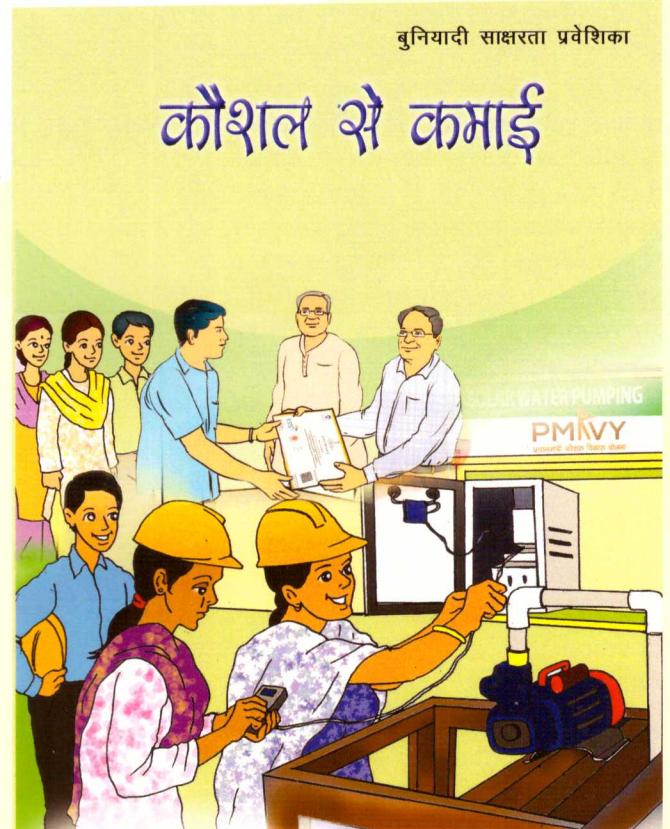
Dr. Nasim Ahmed requested all the SLMA representatives to sit with their respective Under Secretaries/Section Officers to update the progress made by them in fulfilling the prerequisites for release of further grants. It was decided that the case for release of further instalment of grants to be initiated by respective section immediately after receipt of required documents/information from States. In case the requisite information/documents are not received in time, the concerned section may persue with the SLMAs to get the required document on priority basis. Representatives of SLMAs actively participated in the meeting. The meeting ended with the vote of thanks.

‘Kaushal Se Kamai’ a Vocational linked Basic Primer

India is one of the economically growing country in the world. Growing economy needs a skilled & literate manpower. Ministry of Skill Development & Entrepreneurship has established a special organization widely known as National Skill Development Corporation (NSDC) to bring the uniformity and Quality in the Vocational Training Programmes all over the India. NSDC is playing a key role in coordination with Sectoral skills and training provider for achieving the said National goals set by Govt. of India. As we know that a huge number of non/neo literate youth and unskilled labour are in the country.

NSDC has approached Directorate of Adult Education to develop a vocational linked primer for the aspirant trainees of Skill Development. DAE has understood the need and requirement of NSDC for making/developing such basic literacy Primer for non/neo-literates before undergoing for vocational Training Programmes.

To achieve these objectives of National Skill Development Corporation, Directorate of Adult Education has developed the basic literacy primer i.e. 'Kaushal Se Kamai' in a very squat duration. In this primer, issues like National Values, Quality of life, Gender Equality, Health & Hygiene, Financial/Digital Literacy, SHG etc. have been incorporated to increase the knowledge and awareness.



The journey of making of this primer started from January 9-10, 2018 in committee room of Directorate of Adult Education, New Delhi. The main objective is to develop and design a Model Basic Literacy Primer for the non-literate target groups of NSDC. 33 Resource Persons, Experts from Universities, Adult Education Experts, selected Directors of SRCs / Jan Shikshan Sansthan, writers, faculty of SCERT (DIET), NIOS, representatives from NSDC & MEPSE, representatives from NGOs, officials of DAE and consultant TSG-NLMA participated in the workshop.

Shri Sachin Sinha, JS (AE) & DG (NLMA) in his remarks said that Directorate of Adult Education is conducting this Workshop at the right juncture, since we are going to change/modify the Scheme (Saakshar Bharat Programme). He also said that we should find more innovative ways



to train the Adult minds. He stated that the literacy primer should be more attractive and innovative in imparting Literacy/Training of literacy functionaries.

JS (AE) & DG (NLMA) requested the group to re-think and re-invent on the innovative approaches based on the present technology and changes. He said that the suggestions and innovative approaches will help to amend the present Policy and delivery system of literacy programme.

Prof. J.P. Dubey, Head & Prof., Department of Adult, Continuing Education & Extension, University of Delhi explained that seeing the present need and technology, a digital primers/modules may be developed to impart basic literacy in an effective manner.

Dr. Ramakrishna Sura, Director, DAE made presentation on "Need Based Primer" (pre-literacy). He said that Skill development training programme are being organized for 3 to 6 months. Whereas, NLMA's IPCL guidelines says that minimum 300 hours are required to achieve basic literacy. The duration of the teaching learning is 3 months and beyond. It was also informed that the literacy classes will be conducted in a formal system of education and at least 4 hours will be allotted per day.

Shri Sanjaya Pradhan, Lead – Affirmative Action Industry Partnership & CSR, NSDC has



given a brief presentation on Functional Literacy Module. He briefed about the need for skill development and livelihood. He also informed that challenges which were faced by Skill Ministry are low level of literacy, high dropout, lack of appropriate market linkage and lack of awareness and advocacy.

The second workshop was held on February 5-9, 2018 in DAE. During the workshop content of the lessons were discussed and revised according to the need and requirement of NSDC. All the illustrations were prepared and designed by the professional artist in mutual consultation with the subject experts. Title of the primer and cover illustration was drafted and designed.

The final workshop to finalize the draft lessons was held on February 19-23, 2018 in DAE. It was decided to develop the lessons in

story, dialogue, poem form & one chapter on communications skills. The exercises comprising of reading, writing & numeracy were finalized in the workshop.

This vocational linked primer 'Kaushal Se Kamai' fulfils the objectives of NSDC and dreams of their beneficiaries have been finalized and printed.



Meeting on Mandate of DAE

A briefing meeting on the mandate and functions of DAE was held under the chairmanship of Shri Sachin Sinha, JS (AE) & DG (NLMA) in his chamber on January 25, 2018. Shri Juglal Singh, DS (NLM-III & IV), Dr. Ramakrishna Sura, Director, DAE, Dr. Shubhankar Mishra, JD, Shri Sudhir Kumar, AD (P), Shri Jagat Singh, AD (OL), Shri Saurabh Yadav, STA & Ms. Suneeta Singh Chauhan, Consultant, TSG-NLMA attended the meeting. A Power Point Presentation on the background, objectives, functions and activities of various units of DAE was made in the meeting. A detailed discussion was held on the mandate, work load of Units, manpower and budget provisions.

JS (AE) & DG (NLMA) emphasized on concurrent Quality Monitoring of literacy programme. He stated that the monitoring should not be simple a collection of data but it should focus on Quality with the detailed report on the functioning of literacy centres. He suggested that as per new guidelines under approval, 30-40 experts may be empanelled to physically visit/oversee the literacy centres & also interact with the beneficiaries/literacy functionaries. Experts will submit their reports to SLMA/NLMA. He opined that the experts may be retired officers from NCERT/Academic Institutions/SCERT/DIET/ University & College Teachers and NGOs having rich experience in Adult Education sector.

JS (AE) & DG (NLMA) further stated about the importance of Research and Evaluation in Adult Education. He suggested that DAE should have a vibrant Research and Evaluation Unit to undertake action research and evaluation of the literacy programmes.

Dr. Sura explained about evaluating agencies which were short listed in 1990. JS (AE) & DG (NLMA) suggested that DAE should take up at least 5 Research Studies through University Department of Adult Education on priority basis. JS (AE) & DG (NLMA) advised DAE to initiate a fresh empanelment of Evaluating Agencies on a transparent mechanism.

In Material Development, process of digitalization of Primer may be initiated and

accordingly e-books/digitalized version of primers may be uploaded on e-pathshala portal in collaboration with CIET, NCERT. Based on the contents of the Primers, Video lectures may be prepared. In this connection, Dr. Ramakrishna Sura informed the chair that the process for the production of video lectures has already been initiated by DAE and necessary communications has been sent to IGNOU, New Delhi. As per the instruction received from JS (AE) & DG (NLMA) video lectures will also be prepared for the teachers (VTs) in future as well.

JS (AE) & DG (NLMA) instructed to make necessary provision of training of the staff of DAE/NLMA to harness their skills related to technology. The meeting ended with a vote of thanks.

Moving Towards Digital World : An initiative

To improve accessibility and facilitate better information exchange among stakeholders, Directorate of Adult Education has taken several initiatives towards digitization. In this connection a meeting was held under the chairmanship of Prof. Amrendra Prasad Behera, Joint Director of CIET, NCERT on February 02, 2018. Dr. Shubhankar Mishra, Joint Director, DAE, Shri Saurabh Yadav, STA, DAE and the senior officials of CIET, NCERT attended the meeting. In this meeting several issues like Uploading of DAE content on National Repository of Open Education Resource (NROER), Creation of YouTube Channel of DAE, Development of DAE books in e-pub format and their dissemination through e-pathshala and feasibility to participate on MOOC platform etc. had been discussed at length. Accordingly DAE has initiated the work related to Quality improvement of the digitized content, Uploading DAE content on NROER, Creation of YouTube Channel of DAE and uploading of programmes thereon. DAE has uploaded several Literacy programmes on YouTube channel under the title 'National Literacy Mission Authority- A Govt. of India Initiative' on pilot basis, which has fairly a large number of viewership. The process related to uploading of programmes on NROER is also underway and the same will be actualized in due course.

Same Language Subtitling: Enhancing Reading Skills

Same Language Subtitling (SLS) is an idea of subtitling the audio-video content, mainly songs at present, in the same language as the audio. For example, the lyrics of Hindi film songs would be subtitled in Hindi, Tamil film songs in Tamil, and so on in any Indian language. The aim of this concept is to improve reading and writing skills of the neo-literates, semi literates, school students and school drop outs. Another important and related goal is that the addition of SLS should increase the popularity and ratings of the programmes.

SLS concept was innovated at IIM Ahmedabad in 1996 and after a phase of research and development. It was first implemented on Doordarshan Kendra, Ahmadabad in 1999. The SLS project at IIM, Ahmedabad has been routinely implemented SLS on national programmes since 2002 and on weekly regional programmes in 10 languages since 2006.

Directorate of Adult Education (DAE), National Literacy Mission Authority M/o HRD is also contributing towards the effective implementation of this programme by telecasting 'Same Language Subtitling' in Hindi through Doordarshan in the Chitrahaar and Rangoli Programmes.

DAE has initiated SLS programme through Doordarshan since 2005-06. The objective of SLS is to enhance reading skills of neo-literates and semi-literates to make the Literacy Campaign more effective through the National network of Doordarshan. Other agencies such as Department of Youth Affairs, Nehru Yuva Kendras, National Service Scheme Units and National Institute of Open Schooling and its Accredited Institutes are also contributing to make the initiative a great success in terms of reach & access of the programme for their intended group. Like previous years, the SLS activity has been taken up and the same was telecast through the Doordarshan network in the year 2017-18.

SLS Programme has now become popular not only among neo-literates, semi literates, school students and school drop outs but also the weak readers at a mass level.

Special Literacy drive launched by Telangana

Directorate of Adult Education, Telangana State Literacy Mission Authority has proposed with a concrete and comprehensive action plan for launching of a special literacy drive in the State. Extensive and detailed discussions with Adult Education Functionaries of the state were made in the presence of Smt. Ranjev R. Acharya, IAS, Special Chief Secretary, Department of Education and Shri G. Kishan, IAS, Commissioner & Director of School Education. The review meeting was held on 12th February, 2018 in C&DSE Conference hall.

Shri B. Sudhakar, Director of Adult Education, Telangana State, Hyderabad, Shri N. Ch. Varada Charyulu, Deputy Director of Adult Education and Dr. Bandi Sayanna, Director, State Resource Center, Hyderabad together coordinated the proceedings. A total of 45 participants including Deputy Directors, Project Officers, Assistant Project Officers, Supervisors, Mandal Coordinators & Village Coordinators, SRC Faculty, JSS Directors and few NGO Representatives attended the meeting. Additional Director, RMSA, Telangana State, Hyderabad and Director, Telangana Open School Society, Hyderabad attended as special invitees besides few Retired Adult Education Officers.

Shri G. Kishan, IAS, Commissioner and Director, School Education, Telangana State, Hyderabad reviewed the programme at length and suggested valuable inputs including collaboration and convergence with other Departments.

Smt. Ranjev R. Acharya, IAS, Special Chief Secretary, Department of Education, Govt. of Telangana graced the occasion and held detailed discussions and made a consensus on the modalities and strategies to be adopted in launching the proposed special literacy drive in the state between April and June months of 2018.

Participants discussed all the earlier adopted innovative literacy tools for implementing programmes in the State by the department in general and few committed NGOs will be picked up on merit bases for literacy drive.

Courtesy by: Directorate of Adult Education, Govt. of Telangana, Hyderabad